

पोष सुदी पूर्णिमा
JANUARY

25
2024
THURSDAY

तारकपददायक
तृतीय दिवस



हमारी छाया,
हमारा छत्र
और
हमारा उजाला
हे प्रभु!
आप ही बने रहे...

सुबह-नाश्ता के लाभार्थी

पिताश्री सुबटमलजी चुन्नीलालजी हिराणी के दिव्यारोष से एवं मातुश्री पवनीदेवी सुबटमलजी हिराणी के आशीर्वाद से
शा. भेरुलाल, राहुल, विहान
बेटा-पोता-पड़पोता शा. सुबटमलजी चुन्नीलालजी हिराणी परिवार, रेवतड़ा
प्रतिष्ठान : शा. मुलतानमल सोफलचंद जैन, चेहर



सुबह की नवकारशी के लाभार्थी

हबली मंडण श्री शांतिनाथ प्रभु की परम कृपा से मातुश्री सुमतीदेवी हरकचंदजी के दिव्यारोष से
शा. जुगराजजी-राजुलदेवी, अचलचंद-लीलादेवी • पुत्र-पुत्रवधू : ललित-संगीतादेवी, श्रीपाल-कुसुमदेवी,
मनोज-ममतादेवी, विक्रम-टीनादेवी • पौत्र-पौत्री : यश, यशिका, युक्ति, टीशा, ध्वनि, पलक, मयंक,
सुधि, युग, ईशानी, रौनक • पुत्री-जमाई : मोहनबाई-दलीचंदजी संघवी, अर्चना-संदीपजी वेदमुधा
बेटा-पोता-पड़पोता शा. हरकचंदजी होसाजी मांडोत परिवार, रेवतड़ा
प्रतिष्ठान : पी. वी. ग्रुप ऑफ कंपनीस, हबली



शाम की नवकारशी के लाभार्थी

मातुश्री पातीदेवी भारतमलजी भगजी के दिव्यारोष से
शा. मांगीलाल, गणपतचन्द, रमेशकुमार, कैलशकुमार, ललितकुमार, मुकेशकुमार, निर्मलकुमार, संजयकुमार,
प्रवीणकुमार, अरविंदकुमार जितेशकुमार, दिनेशकुमार, राजेशकुमार, विक्रमकुमार,
युवराज, अक्षय, आपुष, सयम, समकित, सम्यक्, लगन, अहिक, अहम्, संभव, भव्य, जैनव, प्रियांशु
बेटा-पोता-पड़पोता शा. भारतमलजी भगजी वेदमुधा परिवार, रेवतड़ा
प्रतिष्ठान : शा. सुमेरुमल मांगीलाल, बैंगलूर

